दृश्यम 3 की रफ्तार बरकरार

4 दिन में 300 करोड़ पार



अजय देवगन की 'दृश्यम 3: द कन्क्लूजन' बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है. 2 अक्टूबर को रिलीज हुई फिल्म ने पहले सोमवार तक दुनियाभर में 303 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है.

भारत में इसकी नेट कमाई 197.50 करोड़ रुपये पहुंच गई है. सोमवार को फिल्म ने करीब 21 करोड़ रुपये कमाए, हालांकि रविवार के मुकाबले इसमें करीब 65 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई.

'धुरंधर 2' से अभी पीछे

फिल्म ने पहले तीन दिनों में भारत में 176.50 करोड़ रुपये नेट कमाए थे और 2026 की दूसरी सबसे बड़ी हिंदी ओपनिंग वीकेंड फिल्म बनी. इस मामले में यह रणवीर सिंह की 'धुरंधर 2' से पीछे है. 'दृश्यम 3' हालांकि अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है.



'महाकाव्य' हुई फ्लॉप तो प्रोड्यूसर ने 'रामायण' की टीम पर लगाए आरोप

रणबीर कपूर और यश की 'रामायण' के सिनेमाघरों में आने से पहले ही रामकथा पर बनी फिल्मों के बीच चर्चा तेज हो गई है. इसी बीच 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' के निर्माता प्रकाश महोबिया ने ऐसा आरोप लगाया है, जिसने फिल्मी गलियारों में हलचल पैदा कर दी है. महोबिया का दावा है कि उनकी फिल्म के खिलाफ नकारात्मक माहौल बनाया गया और यूट्यूबर्स तथा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के जरिए लोगों को फिल्म न देखने के लिए कहा गया.

25 सितंबर को रिलीज हुई 'महाकाव्य श्री रामायण कथा' उम्मीद के मुताबिक दर्शक नहीं जुटा सकी. निर्माता का कहना है कि फिल्म को दर्शकों तक पहुंचने का पर्याप्त मौका ही नहीं मिला. उन्होंने दावा किया कि उन्हें लगातार यह सुनने को मिलता रहा कि दूसरी बड़ी 'रामायण' फिल्म आने वाली है और इसी वजह से उनकी फिल्म के खिलाफ नकारात्मक प्रचार किया जा रहा है.

जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें नितेश तिवारी और नमित मल्होत्रा की 'रामायण' की टीम पर शक है, तो महोबिया ने सीधे तौर पर किसी का नाम लेने से इनकार किया. उन्होंने कहा कि उन्हें जो जानकारी मिली है, उसके आधार पर वह यह बात कह रहे हैं. अब निर्माता अपनी फिल्म को दोबारा सिनेमाघरों में लाने की तैयारी कर रहे हैं. उनका कहना है कि दर्शक फिल्म देखकर खुद फैसला करें.

खुद को गूगल करती हैं तमन्ना भाटिया



अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी बेबाक बातों को लेकर भी चर्चा में हैं. हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से जुड़े कई दिलचस्प राज खोले. इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या वह कभी इंटरनेट पर खुद को सर्च करती हैं, तो तमन्ना ने बेझिझक कहा कि हां, वह खुद को गूगल करती हैं. अभिनेत्री के मुताबिक, वह यह जानने के लिए ऐसा करती हैं कि इंटरनेट पर उनके बारे में क्या लिखा जा रहा है और लोग उन्हें किस नजर से देख रहे हैं.

बातचीत में तमन्ना ने अपने स्कूल के दिनों की यादें भी ताजा कीं. उन्होंने बताया कि वह भी कभी-कभी स्कूल बंक किया करती थीं. दोस्तों के साथ समय बिताने और स्कूल से छुट्टी का मजा लेने की वे यादें आज भी उन्हें मुस्कुरा देती हैं.

तमन्ना ने यह भी बताया कि बचपन और स्कूल के दिनों की कई छोटी-छोटी घटनाएं उनके व्यक्तित्व का हिस्सा बन गई हैं.

करियर की बात करें तो तमन्ना ने लंबे समय में हिंदी, तेलुगु और तमिल सिनेमा में अपनी अलग पहचान बनाई है. फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं. उनका कहना है कि अब वह ऐसे किरदार चुनना चाहती हैं, जो उन्हें एक कलाकार के तौर पर चुनौती दें और दर्शकों को भी कुछ नया देखने को मिले.

जावेद अख्तर के नाम से क्यों फैलाया गया फर्जी मैसेज?

जाने-माने गीतकार और पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने अपने नाम से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक संदेश को फर्जी बताया है. इस संदेश में दावा किया जा रहा था कि उन्होंने सिटिजन्स फॉर जस्टिस एंड पीस (सीजेपी) और उसके संस्थापक अभिजीत दिपके की आलोचना की है.

वायरल पोस्ट में दिपके को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की 'कठपुतली' बताया गया था और सीजेपी पर भाजपा विरोधी एजेंडा चलाने का आरोप लगाया गया था.

जावेद अख्तर ने सोशल मीडिया पर इस मामले में सफाई देते हुए कहा कि उन्होंने न तो सीजेपी की आलोचना की है और न ही अभिजीत दिपके के खिलाफ ऐसी कोई टिप्पणी की है. उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर उनके नाम से चल रहा यह संदेश पूरी तरह फर्जी है. उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि दिपके और सीजेपी का विरोध करने वालों को अपने दावों के लिए उनके नाम की विश्वसनीयता का सहारा लेने की जरूरत क्यों पड़ रही है.

टेलीविजन हलचल

बिग बॉस 20 से बाहर आते ही रीति का खुलासा



'सौतेले पिता' पर करेंगी कानूनी वार

'बिग बॉस 20 से बाहर होने के बाद रीति तिवारी ने शो में अपने अनुभव और निजी विवाद को लेकर खुलकर बात की है. भोजपुरी अभिनेता और सांसद मनोज तिवारी की बेटी रीति शो में अपने व्यवहार को लेकर भी चर्चा में रहीं. घर में काजी के साथ उनके कई बार विवाद हुए और गुस्से में उन्होंने कुछ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल भी किया. शो से बाहर आने के बाद रीति ने माना कि उनसे कई गलतियां हुईं. खुद को रीति का सौतेला पिता बताने वाले पंजाबी गायक एकम बावा ने सोशल मीडिया पर रीति के संघर्ष और खर्चों से जुड़े बयानों पर सवाल उठाए थे. उन्होंने दावा किया था कि रीति ने शो में अपनी जिंदगी और आर्थिक स्थिति को लेकर गलत बातें बताईं. रीति ने कहा कि मामले में कानूनी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है.

बिग बी की उड़ी नींद



कौन बनेगा करोड़पति की शूटिंग के व्यस्त शेड्यूल का असर अमिताभ बच्चन की सेहत और आराम पर पड़ रहा है. बिग बी ने अपने ब्लॉग में बताया कि काम के लंबे घंटों के कारण उन्हें पर्याप्त नींद नहीं मिल पा रही है. उन्होंने लिखा कि लगातार शूटिंग और व्यस्त दिनचर्या के बीच आराम के लिए समय निकालना मुश्किल हो रहा है. अमिताभ ने अपनी परेशानी साझा करते हुए बताया कि कई बार रात का समय भी काम और शूटिंग की तैयारियों में निकल जाता है. उनके ब्लॉग से साफ है कि व्यस्त शेड्यूल के कारण उनकी नींद प्रभावित हो रही है.

20 साल पूरे

अब 9 शहरों में लाइव गाएंगे अरिजीत



प्लेबैक सिंगर अरिजीत सिंह ने संगीत की दुनिया में अपने 20 साल पूरे होने के मौके पर 2027 के इंडिया टूर का ऐलान किया है. जनवरी से मई तक चलने वाले इस दौरे में वह अहमदाबाद, चंडीगढ़, जयपुर, मुंबई, बेंगलुरु, नई दिल्ली, पुणे, इंदौर और हैदराबाद में लाइव परफॉर्म करेंगे.

10 अक्टूबर से बिकेंगी टिकटें

टिकटों की बिक्री 10 अक्टूबर से चरणबद्ध तरीके से शुरू होगी. अरिजीत ने सोशल मीडिया पर टूर की घोषणा करते हुए कहा कि वह अपने संगीत के साथ देशभर के प्रशंसकों से दोबारा रूबरू होने को लेकर उत्साहित हैं. कॉन्सर्ट में बड़े एलईडी स्क्रीन, 360 डिग्री ऑडियो, लेजर लाइट्स और आतिशबाजी जैसे खास इंतजाम किए जाएंगे. टूर का उद्देश्य अरिजीत के दो दशक लंबे संगीत सफर का जश्न मनाना है.

यामी-आदित्य नहीं छोड़ रहे मुंबई



मुंबई की भागदौड़ छोड़कर पहाड़ों में बसने की खबर ने यामी गौतम और आदित्य धर के प्रशंसकों के बीच खूब चर्चा बटोरी, लेकिन अब इस कहानी में नया मोड़ आ गया है. आदित्य धर की टीम ने साफ कर दिया है कि दोनों के स्थायी रूप से हिमाचल प्रदेश शिफ्ट होने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है. दरअसल, पिछले कुछ दिनों से खबरें चल रही थीं कि यामी और आदित्य ने मुंबई छोड़कर हिमाचल में अपना स्थायी ठिकाना बनाने का फैसला किया है. इसकी वजह यामी का हिमाचल से पुराना रिश्ता बताया जा रहा था.

हीरो बनेंगे विराट?



क्रिकेट के मैदान पर अपनी बल्लेबाजी से करोड़ों प्रशंसकों का दिल जीतने वाले विराट कोहली क्या अब बॉलीवुड में भी कदम रखने की तैयारी कर रहे हैं? इस सवाल ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है. इसकी वजह है पूर्व भारतीय क्रिकेटर राहुल द्रविड़ का एक दिलचस्प खुलासा. द्रविड़ ने विराट की एक ऐसी खूबी का जिक्र किया, जिसे जानकर उनके प्रशंसक भी हैरान हो सकते हैं. राहुल द्रविड़ के मुताबिक विराट कोहली मैदान के बाहर दूसरे लोगों की नकल करने में काफी माहिर हैं. वह अलग-अलग लोगों के हावभाव और बोलने के अंदाज की नकल बखूबी कर लेते हैं. द्रविड़ की यह बात सामने आने के बाद विराट के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चा फिर शुरू हो गई है.

विराट की पत्नी अनुष्का शर्मा बॉलीवुड की जानी-मानी कलाकार हैं. ऐसे में मनोरंजन जगत से उनका जुड़ाव भी पहले से है. हालांकि, विराट ने अभी तक अभिनय को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है.

कृषि जगत



एक बीघे में उगाएं 20 क्विंटल शिमला मिर्च

शिमला मिर्च की खेती आजकल किसानों के लिए एक बेहद आकर्षक और लाभदायक व्यवसाय बनकर उभर रही है. सही किस्म का चयन, समय पर नर्सरी प्रबंधन और खेत में जल निकासी का उचित प्रबंध करके किसान कम क्षेत्रफल में भी बेहतरीन मुनाफा हासिल कर सकते हैं. कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, 'आशा एफ1 हाइब्रिड' किस्म की खेती से प्रति बीघा लगभग 20 क्विंटल तक उपज ली जा सकती है. यदि बाजार में औसतन 30 प्रति किलो का भाव भी मिले, तो सभी लागत निकालने के बाद किसान एक बीघे से 1 से 1.5 लाख तक की शुद्ध कमाई कर सकते हैं.

वैज्ञानिक तरीके से ऐसे तैयार करें नर्सरी- शिमला मिर्च के बीजों की बुआई सीधे मुख्य खेत में नहीं की जाती. इसके लिए सबसे पहले एक सुरक्षित और समतल स्थान पर नर्सरी तैयार की जाती है.

किस्म की खासियत

आशा एफ 1 एक उन्नत हाइब्रिड किस्म है. इसके फल गहरे हरे, चमकदार, आकर्षक और ब्लॉक आकार (3 से 4 लोब वाले) के होते हैं. एक फल का वजन औसतन 150 से 200 ग्राम तक होता है. इसकी बाहरी दीवार काफी मोटी और मजबूत होती है, जिसके कारण दूर के बाजारों तक परिवहन के दौरान फल खराब नहीं होते. बाजार में इसके आकर्षक रूप-रंग और वजन के कारण किसानों को अच्छे दाम मिलते हैं.

लहसुन की 'भीमा पर्पल' किस्म से बढ़ाएं किसान की कमाई

लहसुन की खेती किसानों के लिए कम अवधि में आमदनी देने वाली प्रमुख व्यावसायिक फसलों में शामिल है। इसकी मांग बाजार में पूरे साल बनी रहती है, जिससे किसानों को उपज बेचने के लिए बेहतर अवसर मिलते हैं. कृषि विभाग ने इसी को देखते हुए किसानों को लहसुन की उन्नत 'भीमा पर्पल' किस्म अपनाने की सलाह दी है.



यह किस्म अच्छी गुणवत्ता और बेहतर उत्पादन के लिए जानी जाती है. हालांकि अधिक उत्पादन केवल किस्म पर निर्भर नहीं करता, बल्कि खेत की तैयारी, सही समय पर रोपाई, बीज की गुणवत्ता, सिंचाई और पोषण प्रबंधन भी उतना ही महत्वपूर्ण है.

भीमा पर्पल' की खेती में सबसे पहले खेत को अच्छी तरह तैयार करना जरूरी है. खेत की गहरी जुताई के बाद मिट्टी को भुरभुरा और समतल करें. जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था रखें, ताकि खेत में पानी जमा न हो. एक हेक्टेयर में करीब 400 से 500 किलोग्राम स्वस्थ लहसुन की कलियां बीज के रूप में पर्याप्त रहती हैं. रोपाई के दौरान कतार से कतार की दूरी 15 सेंटीमीटर और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेंटीमीटर रखने की सलाह दी जाती है.

अक्टूबर-नवंबर रोपाई का बेहतर समय- भीमा पर्पल की रोपाई अक्टूबर से नवंबर के बीच करना उपयुक्त माना जाता है. इस समय मौसम फसल के विकास के लिए अनुकूल रहता है. सामान्य तौर पर यह किस्म करीब 120 से 135 दिन में तैयार हो जाती है. यानी किसान लगभग चार से साढ़े चार महीने में फसल की खुदाई कर सकते हैं.

पत्तियां पीली हों तो समझें फसल तैयार

फसल पकने के अंतिम चरण में पौधों की पत्तियां पीली पड़ने लगती हैं और धीरे-धीरे सूखने लगती हैं. यह खुदाई के लिए उपयुक्त समय का संकेत है. खुदाई के बाद लहसुन को अच्छी तरह सुखाकर भंडारण और बाजार के लिए तैयार किया जा सकता है.

यंग इंडिया

एमपी टीईटी की आवेदन तारीख बढ़ी

मध्यप्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को एक बार फिर राहत मिली है. ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तारीख बढ़ाकर 11 अक्टूबर 2026 कर दी गई है. वहीं आवेदन में किसी तरह की गलती होने पर उम्मीदवार 12 अक्टूबर तक संशोधन कर सकेंगे. पहले आवेदन की अंतिम तारीख 5 अक्टूबर निर्धारित थी. आवेदन की समय सीमा बढ़ाए जाने के बाद अब अभ्यर्थियों के पास फॉर्म जमा करने के लिए कुछ और समय है.

तारीख बढ़ने के बावजूद परीक्षा को लेकर शिक्षकों और अभ्यर्थियों के बीच कई सवाल बने हुए हैं. जानकारी के अनुसार प्रदेश में करीब डेढ़ लाख कार्यरत शिक्षक इस परीक्षा के दायरे में बताए जा रहे हैं, लेकिन अब तक करीब 22 से 24 हजार आवेदन ही जमा हुए हैं. कम आवेदन संख्या को आवेदन की समय सीमा बढ़ने की एक प्रमुख वजह माना जा रहा है.

अब 11 अक्टूबर तक मौका



पद और पात्रता को लेकर असमंजस- शिक्षक संगठनों और अभ्यर्थियों की सबसे बड़ी चिंता परीक्षा की अनिवार्यता और इसके दायरे को लेकर है. उनका कहना है कि विभाग की ओर से यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट नहीं किया गया है कि परीक्षा किन पदों या संवर्गों के लिए अनिवार्य होगी. लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षकों में इससे नौकरी की सुरक्षा को लेकर भी चिंता है.

ऑनलाइन-ऑफलाइन दोनों माध्यम की तैयारी

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद परीक्षा को ऑनलाइन के साथ ऑफलाइन माध्यम में भी कराने की व्यवस्था पर विचार किया गया है. परीक्षा की विस्तृत तारीख और आयोजन संबंधी जानकारी आधिकारिक सूचना के जरिए जारी की जाएगी. अभ्यर्थियों को सलाह है कि अंतिम दिन का इंतजार किए बिना आवेदन पूरा करें और संशोधन की जरूरत होने पर 12 अक्टूबर तक प्रक्रिया पूरी कर लें.

फीस को लेकर भी सवाल-अभ्यर्थियों ने परीक्षा शुल्क और पोर्टल चार्ज को लेकर भी आपत्ति जताई है. उनका कहना है कि पात्रता परीक्षा के लिए निर्धारित शुल्क कई उम्मीदवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है.

आईआईटी मद्रास के सर्टिफिकेट कोर्स में आवेदन शुरू

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास ने प्रोफेशनल्स और उच्च शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों के लिए कई एग्जीक्यूटिव एजुकेशन सर्टिफिकेट कोर्स में आवेदन शुरू किए हैं. अक्टूबर से नवंबर 2026 के बीच शुरू होने वाले इन कार्यक्रमों में इलेक्ट्रिक वाहन, विनिर्माण, निर्माण तकनीक, पर्यावरण-सामाजिक-प्रशासन और सप्लाई चेन मैनेजमेंट जैसे तेजी से बदलते क्षेत्रों को शामिल किया गया है. इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य कामकाजी प्रोफेशनल्स को इंडस्ट्री की नई जरूरतों के अनुरूप तकनीकी और प्रबंधन संबंधी कौशल उपलब्ध कराना है.

आईआईटी मद्रास के सेंटर फॉर आउटरीच एंड डिजिटल एजुकेशन की ओर से संचालित इन कोर्स में अलग-अलग योग्यता और अनुभव वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. पाठ्यक्रम की अवधि तीन महीने से छह महीने तक है, जबकि फीस करीब 29,500 रुपये से 1.18 लाख रुपये तक निर्धारित की गई है. कुछ कार्यक्रमों में लैब की सुविधा के साथ और बिना लैब के अलग-अलग फीस रखी गई है.

ईवी क्षेत्र में दो खास विकल्प- इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में रुचि रखने वाले



उम्मीदवारों के लिए सर्टिफिकेट प्रोग्राम ऑन इलेक्ट्रिक व्हीकल्स महत्वपूर्ण विकल्प है. चार महीने के इस कार्यक्रम में बैटरी, मोटर, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ईएमआई-ईएमसी, वाहन इंजीनियरिंग, बाजार और लागत जैसे विषय शामिल हैं. इसकी शुरुआत 9 अक्टूबर से होगी और आवेदन की अंतिम तारीख 8 अक्टूबर है. विज्ञान विषय में स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं. लैब के साथ फीस 73,160 रुपये और बिना लैब के 59,000 रुपये है. ईवी टेस्टिंग एंड वैलिडेशन कार्यक्रम तीन महीने का है.

यूनेस्को इंटर्नशिप का मौका

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन यानी यूनेस्को ने डिजिटल बिजनेस सॉल्यूशन इंटर्नशिप 2026 के लिए आवेदन का मौका दिया है. यह कार्यक्रम उन छात्रों और हाल में पढ़ाई पूरी करने वाले युवाओं के लिए उपयोगी है, जो अंतरराष्ट्रीय संस्थान में काम करने का अनुभव हासिल करना चाहते हैं.

इंटर्नशिप के दौरान उम्मीदवारों को नेटवर्क संचालन, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एप्लिकेशन विकास जैसे तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े प्रोजेक्ट पर काम करने का अवसर मिल सकता है. इसके साथ ही टीमवर्क, परियोजना प्रबंधन, तकनीकी लेखन और बहुसांस्कृतिक कार्य वातावरण को समझने का अनुभव भी मिलेगा. इस इंटर्नशिप की अवधि एक से छह महीने तक हो सकती है. उम्मीदवारों को यूनेस्को के



विभिन्न प्रोजेक्ट्स में शामिल किया जा सकता है. इनमें नेटवर्क की निगरानी, क्लाउड प्लेटफॉर्म, सर्वर और नेटवर्क से जुड़ी समस्याओं का समाधान, नेटवर्क दस्तावेज तैयार करना और उपयोगकर्ता सहायता जैसे काम शामिल हैं.

इंटर्न क्लाउड संसाधनों को स्थापित और व्यवस्थित करने तथा सहायता केंद्र की टिकट प्रणाली को समझने पर भी काम कर सकते हैं.

मुर्गीपालन में बढ़ेगा मुनाफा

मुर्गियों की सेहत का रखें ध्यान, उत्पादन रहेगा बेहतर



मुर्गीपालन ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों और पशुपालकों के लिए अतिरिक्त आमदनी का अच्छा जरिया बन सकता है. कम जगह और सीमित संसाधनों में भी इसे शुरू किया जा सकता है, लेकिन अच्छी कमाई के लिए केवल मुर्गियों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं है. उनके स्वास्थ्य, खान-पान और रहने की जगह का नियमित ध्यान रखना भी जरूरी है. छोटी-सी लापरवाही से संक्रमण फैल सकता है और देखते ही देखते बड़ी संख्या में मुर्गियां बीमार पड़ सकती हैं. इससे उत्पादन घटने के साथ पशुपालक को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ सकता है.

मुर्गीपालन में सबसे ज्यादा ध्यान साफ-सफाई और जैव-सुरक्षा पर देना चाहिए. मुर्गियों के बाड़े को नियमित रूप से साफ रखें और गीले बिछावन को तुरंत बदलें. बाड़े में पानी जमा न होने दें और पर्याप्त हवा व रोशनी की व्यवस्था रखें.

संतुलित आहार से बेहतर उत्पादन- मुर्गियों को उनकी उम्र और आवश्यकता के अनुसार संतुलित आहार देना चाहिए. दाना साफ और सूखी जगह पर रखें. फफूंद लगा या खराब दाना बिल्कुल न खिलाएं. पीने का पानी हमेशा साफ और ताजा होना चाहिए.

बाड़े में भीड़ न बढ़ाएं- एक ही जगह पर जरूरत से ज्यादा मुर्गियां रखने से तनाव और बीमारी का खतरा बढ़ सकता है. बाड़े में पर्याप्त जगह, हवा और रोशनी रखें. मृत मुर्गियों को खुले में न फेंकें, बल्कि सुरक्षित तरीके से निस्तारण करें.

समय पर टीकाकरण जरूरी

मुर्गियों को कई संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए निर्धारित टीकाकरण कार्यक्रम का पालन करना जरूरी है. बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर संक्रमित मुर्गियों को स्वस्थ पक्षियों से अलग कर दें. बिना विशेषज्ञ की सलाह के दवाओं का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए.